

सवाल जवाब

आक्रामक तरीके से शेयर खरीदने का वक्त नहीं यह: नीलेश शाह

पश्चिम एशिया के संकट भरे माहौल में प्रधानमंत्री मोदी की देश में खर्च में कटौती करने की अपील से बाजारों में घबराहट हो गई। कोटक महिंद्रा एएमसी के प्रबंध निदेशक नीलेश शाह ने पुनीत वाधवा से फोन पर बातचीत में कहा कि यह समय इक्विटी में बहुत ज्यादा निवेश करने का नहीं है। उनका सुझाव है कि निवेशकों को विविधता पर विचार करना चाहिए। इसके लिए वे परफॉर्मिंग क्रेडिट एआईएफ, लॉन्ग-शॉर्ट और लीवरेज की सुविधा वाले स्पेशल इन्वेस्टमेंट फंड, रीट, इनविट और वैश्विक निवेश के मौकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बातचीत के अंश:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किफायत बरतने के उपायों पर आप क्या कहेंगे?
असल में, प्रधानमंत्री ने देश को हकीकत बताई है। भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातक देशों में से एक है। इसलिए तेल की कीमतों में कोई भी तेज बढ़ती या आर्पूति में रुकावट का असर हम पर जरूर पड़ेगा। तेल की बढ़ती कीमतें आर्थिक कुंडली में 'राहुकाल' की तरह होती हैं। ये महंगाई, वृद्धि, चालू खाते के घाटे, रुपये, ब्याज दरों और लगभग हर मैक्रो आर्थिक पैमाने पर असर डालती हैं। इसलिए, सुधार के कदम उठाना जरूरी हो जाता है।

अगले कुछ दिनों या सप्ताहों में कौन-से नीतिगत उपाय लागू किए जा सकते हैं?
विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) निकासी को कम करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उदाहरण के लिए म्यूचुअल फंड उद्योग में हमने वितरकों को विदेशी यात्राएं न कराने का निर्णय बहुत पहले ले लिया था। जब जश्न



भारत के भीतर हो सकता है तो विदेश में क्यों खर्च करें? अन्य उद्योग स्वेच्छा से ऐसे तरीकों को अपना सकते हैं या सरकार ऐसे उपायों को औपचारिक रूप से प्रोत्साहित भी कर सकती है।

दूसरा, सरकार सोने की रीसाइक्लिंग, गोल्ड डिस्क्लोजर, या स्वर्ण मुद्रीकरण योजनाओं जैसी पहल पर फिर से विचार कर सकती है। भारतीयों के पास बड़ी मात्रा में निष्क्रिय सोना है। अगर इसका कुछ हिस्सा भी वित्तीय प्रणाली में लाया जा सके, तो इससे सोने का आयात कम करने में मदद मिल सकती है। हम स्टॉक लेंडिंग और उधारी की तरह सोने को उधार देने और लेने के लिए तंत्र की संभावना तलाश सकते हैं। तीसरा, ईंधन की खपत कम करने के लिए भी प्रयास किए जा सकते हैं। जैसे कारपूलिंग को बढ़ावा देना, वर्क-फ्रॉम-होम की व्यवस्थाओं को बढ़ाना और ऊर्जा के कुशल उपयोग को प्रोत्साहित करना। ये छोटे कदम लग सकते हैं। लेकिन सामूहिक रूप से ये सार्थक बदलाव ला सकते हैं। सबसे अहम बात यह है कि इसका प्रभाव होना चाहिए। अगर सरकार खुद बढ़कर नजीर पेश करती है, तो नागरिकों के उसका अनुसरण करने की

संभावना अधिक होती है।

मैं सहमत हूँ कि व्यक्तिगत तौर पर यह बचत शायद बहुत ज्यादा न हो। लेकिन सवाल यह है कि हमें सुधार के कदम उठाने चाहिए या नहीं?
इसका जवाब साफ तौर पर हां है। तेल की कीमतें बढ़ने से आर्थिक विकास को नुकसान पहुंचता है, महंगाई बढ़ती है और रुपये पर दबाव पड़ता है। इसलिए, सरकार को इस मामले में आगे बढ़कर पहल करनी चाहिए। वह अपने कर्मचारियों के बीच कारपूलिंग को बढ़ावा दे सकती है, सरकारी कार्यक्रमों के लिए गाड़ियों का काफिला छोटा कर सकती है, और ऐसे दूसरे प्रतीकात्मक लेकिन सार्थक कदम उठा सकती है। नागरिक भी योगदान दे सकते हैं। हमने देखा है कि लोगों ने राष्ट्रीय हित में स्वेच्छा से एलपीजी (लिविफाइड पेट्रोलियम गैस)

सब्सिडी छोड़ी है।

लेकिन क्या यह वाकई नागरिकों को सजा देना नहीं है? लोग पहले से ही टैक्स देते हैं और निवेशकों को इक्विटी और ऋण दोनों से होने वाले मुनाफे पर टैक्स देना पड़ता है। फिर उन्हें आयात के कारण होने वाली महंगाई या किसी वैश्विक संकट का बोझ क्यों उठाना चाहिए?
तो फिर इसका विकल्प क्या है? क्या सरकार को बस हालात और बिगड़ने देना चाहिए? अगर कोई बच्चा लगातार फूट फूट खाता रहे और अपनी सेहत को नुकसान पहुंचाता रहे, तो क्या डॉक्टर को सिर्फ इसलिए कुछ नहीं करना चाहिए कि वह बच्चा अत्यंत बोझ उठा सकता है? तेल की बढ़ती कीमतें अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक हैं। सुधार के कदम शायद असुविधाजनक हों, लेकिन वे जरूरी हैं।

लगातार दूसरे दिन टूटे शेयर बाजार

महंगाई, राजकोषीय घाटा और विदेशी निवेश की लगातार निकासी के बढ़ते डर के बीच पिछले दो दिनों में शेयर बाजार के निवेशकों के 17 लाख करोड़ रुपये हुए डूबे। अभी भी जारी है अनिश्चितता का दौर

बीएस संवाददाता मुंबई, 12 मई

शेयर बाजारों में मंगलवार को भी तेज गिरावट हुई। इसकी मुख्य वजह कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच घरेलू आर्थिक परिदृश्य को लेकर चिंताओं में कजाफा होना था। बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स 1.83 फीसदी गिरकर 23,380 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 1,456 अंक यानी 1.92 फीसदी गिरकर 74,559 पर आ गया। ये दोनों इंडेक्स अगले की शुरुआत के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर बंद हुए।

मंगलवार की गिरावट से निवेशकों की लगभग 11.3 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति साफ हो गई। इस तरह पिछले दो सत्रों में बाजार पूंजीकरण का कुल का नुकसान बढ़कर 17.4 लाख करोड़ रुपये हो गया। सेंसेक्स पिछले दो कारोबारी सत्रों में 3.6 फीसदी गिर चुका है, जो 30 मार्च के बाद से इसकी सबसे बड़ी दो दिवसीय गिरावट है।

बिकवाली का नया दौर तब आया जब अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द सुलझने की उम्मीदें और भी धूमिल हो गईं। एक दिन पहले ही बाजार तब करीब 1.5 फीसदी गिर गए थे, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शांति वार्ता के लिए अमेरिका के प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को नामंजूर कर दिया था। इसके बाद ईरान ने लड़ाई खत्म करने के अमेरिकी प्रस्ताव को ठुकरा दिया और अपनी मांगों की सूची पेश की, जिसे ट्रंप ने कचरा बताया।

ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहीं, जिससे भारत की चिंताएं बढ़ गईं हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस की मांग का लगभग आधा हिस्सा आयात करता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, मुद्रा में कमजोरी के रूझान और केंद्र सरकार के खर्च में कटौती के हाल के उपायों के आर्थिक असर को लेकर चिंता बढ़ी है।

लीमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार दबाव में रहा। इससे कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें 100-105 डॉलर प्रति बैरल के दायरे से ऊपर चली गईं। लिहाजा, महंगाई और भारत के बढ़ते आयात बिल को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।

निचले स्तर पर निफ्टी आईटी इंडेक्स

बीएस संवाददाता मुंबई, 12 मई

मंगलवार को घरेलू सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में बड़ी गिरावट आई। इसका कारण अमेरिका में सूचीबद्ध आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट रही। यह सब तब हुआ जब ओपनएआई ने कंसल्टिंग और इंजीनियरिंग फर्म टुमोरो को खरीदने का ऐलान किया। ओपनएआई का मकसद एआई सॉफ्टवेयर को उद्यम स्तर पर ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल में लाना है।

निफ्टी आईटी इंडेक्स 3.73 फीसदी गिरकर 28,235 पर बंद हुआ। यह 18 मई, 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। एआई के बल पर ऑटोमेशन के इस दौर में इस साल यह इंडेक्स अब तक अपनी कुल वैल्यू का एक-चौथाई से भी ज्यादा हिस्सा गंवा चुका है। इसकी वजह पारंपरिक आईटी सर्विस बिजनेस मॉडलों के लंबे समय तक टिकाऊ रहने को लेकर बढ़ती चिंताएं हैं।

निफ्टी आईटी इंडेक्स के सभी 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए। इनमें इन्फोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक्नालॉजीज जैसे दिग्गजों में 3 से 4 प्रतिशत के बीच गिरावट आई।



बाजार के कारोबारियों का कहना है कि ओपनएआई के इस नए कदम से इस आशंका को बढ़ावा मिला है कि वैश्विक एआई कंपनियों सॉफ्टवेयर टूल्स से आगे बढ़कर एंड-टू-एंड कंसल्टिंग और क्रियान्वयन सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से विस्तार कर रही हैं। ये वे क्षेत्र हैं जो अरसे से भारतीय आईटी कंपनियों के राजस्व को बढ़ाते रहे हैं।

बजाज ब्रॉकिंग के फंडामेंटल एनालिस्ट शाश्वत सिंह ने कहा कि ओपनएआई की नई 'डेलॉयमेंट कंपनी' बिजनेस यूनिट को शुरुआत पारंपरिक बिल योग्य-घंटे सेवा क्षेत्र था। लेकिन 2020 के बाद से, जिन्होंने लंबे समय से वैश्विक आईटी उद्योग को सहारा दिया है।

सिंह ने कहा, 'कंसल्टिंग फर्म टुमोरो का अधिग्रहण करके और 'फॉर्बर्ड डेप्लॉयड इंजीनियर्स' का उपयोग करके, ओपनएआई मॉडल डेवलपमेंट से आगे बढ़कर वर्कफ्लो रीडिजाइन और संगठनात्मक बदलाव के हाई-वैल्यू क्षेत्र में कदम बढ़ा रही है।'

उन्होंने कहा कि निवेशकों को डर है कि भारतीय आईटी कंपनियों को वे एआई कंपनियां तेजी से पीछे धकेल सकती हैं, जो अपनी खुद की टेक्नोलॉजी को सीधे ग्राहकों के लिए ऑटोमेट करने और लागू करने में सक्षम हैं।

लेकिन, कुछ विश्लेषकों ने तर्क दिया कि बाजार जेनेरेटिव एआई से होने वाले दीर्घाघवि जोखिमों पर शायद जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया दे रहा है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के एक नोट में कहा गया है कि आईटी कंपनियों ने मार्च तिमाही में मोटे तौर पर मजबूत आय दर्ज की है। अनिश्चितता के बावजूद राजस्व वृद्धि, मार्जिन और सौदे हासिल करने का सिलसिला मजबूत बना रहा। ब्रोकरेज ने कहा कि एआई-आधारित बदलाव के कार्यक्रम और लागत-बचत पहल की मांग से सौदों की रफ्तार को लगातार समर्थन मिला, हालांकि सौदे पूरी होने में लगने वाला समय थोड़ा बढ़ गया।

बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 8,000 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। 2026 में एफपीआई की शुद्ध निकासी अब 2.1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। बिकवाली का दबाव व्यापक रहा और सभी 16 प्रमुख सेक्टरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। सूचना प्रौद्योगिकी और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2.5 फीसदी गिर गया। लाइवलॉग वैल्यू के संस्थापक हरिप्रसाद के. ने कहा कि मौजूदा गिरावट किसी सामान्य गिरावट के बजाय निवेशकों के भरोसे में आई गहरी कमी को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, मुनाफावसूली के आम दौर के उलट मौजूदा गिरावट की वजह बाजार के विश्वास का बड़ा झटका लगना है। हरिप्रसाद ने कहा, निवेशक हालिया नीतिगत संदेशों और बचत से जुड़ी दूसरी टिप्पणियों को इस बात का संकेत मान रहे हैं कि नीति-निर्माता शायद आगे आने वाले ज्यादा मुश्किल आर्थिक माहौल के लिए तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विवेकाधीन उपभोग में सुस्ती, आयात के कारण महंगाई में बढ़ती और कर्माई की कमजोर संभावनाओं की चिंता ने बिकवाली और तेज कर दी है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, कमजोर होता रुपया और एफपीआई की लगातार बिकवाली ने भारतीय इक्विटी बाजार के लिए तिहरी आर्थिक चोट जैसी स्थिति पैदा कर दी है।

अलग-अलग शेयरों की बात करें तो अपस्ट्रीम तेल उत्पादकों ने कमजोर रूझानों के बीच दम बनाए रखा। ओपनजीसी के शेयर 4.8 फीसदी बढ़ गए जबकि ऑयल इंडिया को 7.7 फीसदी का फायदा हुआ। यह तब हुआ जब ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने कहा कि कच्चे तेल और गैस उत्पादन पर रॉयल्टी में प्रस्तावित कटौती से इन कंपनियों को फायदा होगा। (साथ में रॉयटर्स)

आईटी फर्मों ने शेयरधारकों को दिया रिकॉर्ड लाभांश

पृष्ठ-1 का शेष

बिजनेस स्टैंडर्ड के नमूने में शामिल 16 कंपनियों का भुगतान अनुपात वित्त वर्ष 2026 में रिकॉर्ड 102.2 फीसदी (कुल शुद्ध मुनाफे का) रहा जो वित्त वर्ष 2025 में 77.7 फीसदी था। लाभ और भुगतान का अनुपात वित्त वर्ष 2026 में 93.9 फीसदी था। लेकिन वित्त वर्ष 2026 में उद्योग ने शेयरधारकों को ज्यादा भुगतान करने का निर्णय किया। विश्लेषकों का कहना है कि कुछ आईटी कंपनियों के शेयर भाव और बाजार पूंजीकरण में गिरावट के कारण ऐसा हुआ है। इक्विनामिक्स रिसर्च के संस्थापक और सीईओ जी चोकरालिंगम ने कहा, 'आईटी उद्योग की वृद्धि में निरंतर बाधाओं के बावजूद वित्त वर्ष 2026 में शेयरधारकों को भुगतान में तेज वृद्धि असल में कंपनियों की शेयर कीमतों में गिरावट के कारण बाजार पूंजीकरण में कमी को देखते हुए शेयरधारकों को प्रोत्साहित करने की रणनीति से प्रेरित लगती है।' बिजनेस स्टैंडर्ड के नमूने में



शामिल 16 आईटी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण वित्त वर्ष 2026 में 25.3 फीसदी घटा है जो एक दशक से अधिक समय में उनका सबसे खराब वार्षिक प्रदर्शन है। मार्च 2025 के अंत में इनका कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 32.2 लाख करोड़ रुपये था जो घटकर मार्च 2026 में करीब 24 लाख करोड़ रुपये रह गया। पिछले हफ्ते आईटी क्षेत्र के शेयरों में और बिकवाली हुई तथा आज की गिरावट के बाद नमूने में शामिल 16 शेयरों का कुल बाजार पूंजीकरण घटकर लगभग 23.21 लाख करोड़ रुपये रह गया। यह मार्च 2022 के अंत में रिकॉर्ड 32.95 लाख करोड़ रुपये बाजार पूंजीकरण से

लगभग 29.5 फीसदी कम है। शेयर बाजार में आईटी कंपनियों का लगातार कमजोर खराब प्रदर्शन बताता है कि शेयरधारकों को भुगतान में वृद्धि का कंपनियों के शेयर मूल्य पर बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

विश्लेषकों का मानना है कि एआई के कारण आय में नरमी और एआई सहित नई तकनीकों में निवेश करने में भारतीय आईटी सेवा कंपनियों की अनिच्छा इसका कारण है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटी के विश्लेषकों का कहना है, 'कुल तकनीकी खर्च में तेजी से वृद्धि के बावजूद एआई खर्च आईटी सेवा खर्चों को प्रभावित कर रहा है।'

चोकालिंगम के अनुसार शेयरधारकों के भुगतान में तेज वृद्धि और 100 फीसदी से अधिक भुगतान अनुपात यह बताता है कि कंपनियों ने उनके प्रवर्तक नई तकनीक में निवेश को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। उनका कहना है, 'इससे भारतीय आईटी सेवा उद्योग की दीर्घकालिक विकास क्षमता में निवेशकों का भरोसा बहाल नहीं होगा।'

कोटक महिंद्रा एएमसी के प्राइवेट क्रेडिट फंड की मजबूत मांग

कोटक महिंद्रा परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी (एएमसी) ने मंगलवार को बताया कि उसने अपने पहले प्राइवेट क्रेडिट ऑल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) का फाइनल क्लोज हासिल कर लिया है, जिसमें 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की प्रतिबद्धता मिली है। कंपनी के मुताबिक, कोटक क्रेडिट ऑप्टिमीजेशन फंड (जो कैटेगरी-II एआईएफ है) ने अपने फंड का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा पहले ही अलग-अलग सेक्टरों में लगा दिया है और यह जानी मानी कंपनियों और प्रवर्तकों से मिलने वाले अच्छे क्रेडिट मौकों में निवेश करना जारी रखेगा। बीएस

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड			
टाटा पावर दिल्ली सरकार का संयुक्त उपक्रम			
रजि. ऑफिस : एनडीपीएल हाउस, इंदिरा नगर, किरोरी रोड, दिल्ली-110009			
CIN No. U40109DL2001PLC111526 वेबसाइट: tatapower-dli.com			
निविदा सूचना आमंत्रित		May 13, 2026	
टाटा पावर-डीडीएल निम्न मदों के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है:			
निविदा पूरताछ सं. कार्य का विवरण	अनुमानित लागत/प्रकार/प्रकार (₹)	बोली दर्तातारी की तिथि	बोली जमा करने की/बोली खोलने की तारीख और समय
TPDDL/ENGG/ENQ/200001951/26-27 Consultancy Services for Construction of Office Building at Sec-3, Rohini, New Delhi	31.86 Lacs/ 80,000	13.05.2026	03.06.2026:1500 Hrs/ 03.06.2026:1600 Hrs
TPDDL/ENGG/ENQ/200001953/26-27 OT Firewall and OT Asset Monitoring	10 Crs/ 17 Lac	13.05.2026	03.06.2026:1500 Hrs/ 03.06.2026:1630 Hrs
शुद्धिपत्र/निविदा तिथि विस्तार			
निविदा पूरताछ सं. कार्य का विवरण	पूर्ण प्रकाशित दिनांक	संशोधित निविदा तिथि/बोली जमा करने की तिथि/बोली खोलने की तिथि	
TPDDL/ENGG/ENQ/200001934/26-27 Manpower for IT Service Desk, Field Support Engineers and Data Centre Operators	21.04.2026	26.05.2026 at 1500 Hrs/ 26.05.2026 at 1630 Hrs	
TPDDL/ENGG/ENQ/200001935/26-27 Low Voltage Outage Aggregator (LOA)Solution	21.04.2026	21.05.2026 at 1500 Hrs/ 21.05.2026 at 1630 Hrs	

सम्पूर्ण निविदा एवं शुद्धिपत्र दर्तावेज हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध

website www.tatapower-dli.com → Vendor Zone → Tender / Corrigendum Documents

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: एक्सचेंज प्लाज़ा, भी. ई. ब्लॉक, वी. प्रसाद मार्ग, कोलकाता, बांद्रा पूर्व, मुंबई - ४०० ०१६, महाराष्ट्र, भारत

सार्वजनिक सूचना			
सेबी (इंडिटी शेयरों की अस्वीकृतता) विनियम, २०२१ के विनियम ३२(५)(ए) के अंतर्गत कंपनियों के इंडिटी शेयरों की अनिवार्य अस्वीकृतता के संबंध में सार्वजनिक सूचना			
एनएसई (इंडिटी शेयरों की अनिवार्य अस्वीकृतता) विनियम, २०२१ (अस्वीकृतता विनियम) के विनियम ३२(५)(ए), प्रतिभूति अद्युक्त (विनियम) अधिनियम, १९५६ की धारा २१२, प्रतिभूति अद्युक्त (विनियम) विनियम, १९५६ तथा तमिल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एक्सचेंज) के उप-विधियों एवं विनियमों के अनुसार २२ अप्रैल, २०२६ से प्रभावी रूप से अस्वीकृत कर दिए गए हैं।			
गैर-अनुपालन के कारण अनिवार्य रूप से अस्वीकृत की गईं कंपनियां:			
कंपनी का नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता*	उचित मूल्य (रुपये प्रति शेयर)	प्रवर्तक का नाम	प्रवर्तक का पता*
केएनएसई एक्सचेंज लिमिटेड भी. ११७७, नारायण अहिर, साकूरवाड़ी, सिड्डीपुर, महाराष्ट्र, भारत ४११००६	२२/-	सर्वोपनिवेशक संसाधन सावरी	प्लॉट नं. ३, सेक्टर नं. ६३, फ्लॉट नं. ५१, साईबाबा नगर सोसाइटी, कोयंबाळ, पुणे, महाराष्ट्र, भारत - ४११००८

* पता एक्सचेंज के अभिलेखों के अनुसार उपलब्ध है।

टिप्पणी: सेबी (इंडिटी शेयरों की अस्वीकृतता) विनियम, २०२१ के अनुसार अनिवार्य अस्वीकृतता के निमित्तित परिणाम होते हैं।

क) अस्वीकृतता विनियम के विनियम ३२(५) के अनुसार, कंपनी, उसके पंजीकृत निदेशक, प्रतिभूति कर्ताओं के अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए किन्मेदार व्यक्ति, उसके प्रवर्तक तथा उनमें से किसी के भी द्वारा प्रवर्तित कंपनियों, अस्वीकृतता की तिथि से दस (10) वर्ष की अवधि तक उपर्युक्त या अत्यधिक रूप से प्रतिभूति बाजार का उपयोग नहीं कर सकेंगी, न किसी इंडिटी शेयर की सूचीबद्धता के लिए आवेदन कर सकेंगी और न ही प्रतिभूति बाजार में किसी मध्यस्थ की भूमिका निभ सकेंगी।

ख) ऐसी कंपनी की स्थिति में जिसका उचित मूल्य धनमत्तक हो:

- ऐसी कंपनी और डिपॉजिटरी, प्रवर्तक/प्रवर्तक-समूह द्वारा धारित किसी भी इंडिटी शेयर का बिक्री, गिरवी आदि के माध्यम से हस्तांतरण नहीं करेगी और प्रवर्तक/प्रवर्तक-समूह द्वारा धारित सभी इंडिटी शेयरों पर लाभभा, अधिकार, वोटन शेयर, विभाजन आदि जैसे कॉर्पोरेट लाभ तथा तक रूपांतर्य करेगा, जब तक कि ऐसी कंपनी के प्रवर्तक संबंधित मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज द्वारा प्रमाणित किए जाने के बाद इन विनियमों के विनियम ३३ के उप-विनियम (५) के अनुपालन में सर्वोपनिवेशक शेयरधारकों को निवेश विकल्प उपलब्ध नहीं करा देते।
- अनिवार्य रूप से डीलिस्ट की गई कंपनी के प्रवर्तक, पंजीकृत निदेशक तथा प्रतिभूति कर्ताओं के अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए किन्मेदार व्यक्ति, बंड (1) में उल्लिखित निकास विकल्प उपलब्ध कराय जाने तक किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के निदेशक बनने के लिए पात्र नहीं होते।

ग) सार्वजनिक शेयरधारकों को निवेश विकल्प देने का दायित्व कंपनी के प्रवर्तकों पर है।

घ) अस्वीकृतता विनियम के विनियम ३३(५) के अनुसार, कंपनी के प्रवर्तक, मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज से अस्वीकृतता की तिथि से तीन माह के भीतर, सार्वजनिक शेयरधारकों के अपने शेयर रखे रखने के विकल्प के अर्थीन, मूल्यकानवकों द्वारा निर्धारित मूल्य का भुगतान करके उन्हें अस्वीकृत इंडिटी शेयर खरीदेंगे।

ङ) अस्वीकृतता विनियम के विनियम ३३(५) के अनुसार, यदि विनियम ३३ के उप-विनियम (३) के अंतर्गत वित्त मूल्य का भुगतान उप-विनियम (५) में निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी शेयरधारकों को नहीं किया गया, तो प्रवर्तक, अनिवार्य अस्वीकृतता प्रस्ताव के अंतर्गत अपने शेयर देने वाले सभी शेयरधारकों को दस प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज देने के लिए उत्तरदायी होगा।

सभी पूछताछ सूत्र पूरे वेबो मनी कानी चाहिए। अस्वीकृतता सन्निधि, सूचीबद्धता विभाग, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, एक्सचेंज प्लाज़ा, भी. ई. ब्लॉक, वी. प्रसाद मार्ग, कोलकाता, बांद्रा पूर्व, मुंबई ४०० ०१६ तथा नैती मणिल, इस्पात, बीकेपी सेन रोड, भी ब्लॉक, बीकेपी, पत्तार नगर, बांद्रा पूर्वा कोलकाता, बांद्रा पूर्व, इस्पात ४०००११। संचर्क नंबर - ११ २२ २६९६८२०० (३२९२१), ई-मेल: vgandhi@nse.co.in, delisting@nse.co.in (एनएसई प्रतिस्थिति में dl-insp-efiling@nse.co.in भी सम्मिलित करे)

सभी पूछताछ अनिवार्य रूप से ऊपर दिए गए ई-मेल पूरे पर भेजी जानी चाहिए। कोई भी गुप्तता उल्लंघन मान्य नहीं मानी जाएगी।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के लिए एंई उनकी ओर से

स्थान: मुंबई
दिनांक: १३ मई, २०२६